

न्मत्स्याः समुद्रादपि werden gefangen Spr. 2922. हरादामिषलेभेन बध्य-
ते खेचरः खगः 1298. कर्मभिर्न स बध्यते BHAG. 4, 14. न पुनः कर्मजालेन
बध्यते KATHAS. 27, 53. कर्मात्तरैर्बध्यते Spr. 1337. यतिमुक्ता ऽपि बध्यते
wird in Fesseln geschlagen so v. a. wieder an's Leben gefesselt M. 6, 58. ब-
ध्यते so v. a. पापेन संबध्यते nach dem Schol. M. 3, 68. BHAG. P. 2, 9, 28.
भेदेन बध्यते PANKAT. 231, 10. — med. sich Etwas anbinden, umbinden:
कस्तत्रं बध्नीष LĀTJ. 3, 10, 7. कृष्णविषाणां सिचि बध्नीते ÇAT. Br. 3, 2, 4,
18. KĀTJ. ÇR. 7, 3, 26. AV. 10, 6, 18. act. in der späteren Sprache: कवच-
म् — बन्धान MBH. 5, 7125. कथं नु चीरं वध्नति मुनयः वनवासिनः R. 2,
37, 12. AK. 2, 8, 31. DAÇAK. in BENF. Chr. 201, 4. BHATT. 14, 7. रज्जुं ब-
द्धाय वा कण्ठे R. 2, 74, 29. pass. in dieser Bed.: स्रजं तदा बध्यति HARIV.
13088. — बद्ध gebunden, gefesselt, angebunden, befestigt; gefangen AK.
3, 1, 42. 3, 2, 44. 3, 4, 44, 83. H. 438. HALĀJ. 2, 185. 4, 62. ग्रीवायां बद्धः
RV. 4, 40, 4. स्तेन 8, 36, 14. 18. हृष्टेषु 1, 24, 13. 10, 34, 4. 38, 5. मुञ्चतं य-
त्रो अस्ति तन्पुं बद्धं कृतमेनो अस्मत् 6, 74, 3. पाणि AV. 2, 12, 2. आत्मन्-
ङ्गानि बद्धानि TBR. 1, 2, 6, 4. तद्व्यः LĀTJ. 4, 1, 2. गौर्बद्धवत्मा deren Kalb
angebunden (im Stalle) steht ÇAT. Br. 4, 2, 4, 22. — SĀRJA. 12, 73. उच्चै-
र्बद्धानि चीराणि लम्पणेन hoch aufgehängt R. GORR. 2, 108, 8. एकवेणी
aufgebunden MEGH. 89. नववद्धस्य दन्तिनः vor Kurzem gebunden, — ein-
gefangen RAGH. ed. Calc. 1, 72. वरुणान यथा पशैर्बद्धः M. 9, 308. HIT. 21,
11. सर्व जालेन बद्धः 13, 10. अरज्जुवद्धा (गो) KĀTJ. ÇR. 7, 6, 14. पाशं MBH.
3, 16763. Spr. 2009. 4000. HIT. 14, 22. VID. 277. 233. R. 1, 62, 25. सा (नौः)
बद्धा तत्र MATSOP. 48. कुञ्चितावहकुत्तल (d. i. अबद्ध) KATHAS. 48, 59. अ-
सि BHATT. 4, 26. चक्रबद्धः = चक्रे बद्धः P. 6, 3, 19, Sch. बद्धपाठ R. 2, 67,
17. नेपथ्य HARIV. 8687. ०त्णा, ०कत, ०गोध. बद्धाङ्गुलित्र, बद्धाङ्गुलि u. s.
w. MBH. 1, 5234. 3, 7131. MĀLAV. 68, 8. DAÇAK. in BENF. Chr. 186, 9. KA-
THAS. 40, 2. असिबद्ध mit einem Messer umgürtet ÇĀNKH. ÇR. 14, 22, 20.
तलबद्ध (= बद्धतल) MBH. 6, 621. HARIV. 12329. 13246. पश्चाद्बाहुबद्ध
dem die Hände auf den Rücken gebunden sind MĀKĀH. 173, 12. तौ वीरौ
शरबन्धेन बद्धौ umstrickt MBH. 3, 16466. बद्ध gebunden, gefesselt, gefan-
gen ÇĀK. 108 (Gegens. स्वैरगति). M. 4, 210. Spr. 54. RĀGA-TAR. 3, 261.
PRAB. 13, 7. तौ बद्धौ चकार KATHAS. 27, 160. घोरं बन्धनागारं बद्धः MĀKĀH.
66, 25. बद्धो भवौष्ठाण्डमहासेनेन मायया KATHAS. 13, 3. स्नेहं Spr. 4223.
दासाः स्म सर्वे तव वाचि बद्धाः MBH. 3, 10082. मनसि श्लिष्टेव बद्धेव च
DHĪRTAS. 73, 14. रागबद्धचित्तवृत्ति ÇĀK. 4, 11. स्वकृतिरेव बद्धाकम् PANKAT.
III, 160. जाडाबद्ध oder जाड्येन बद्धः in Folge seiner Dummheit in Ge-
fangenschaft gerathen Schol. zu P. 2, 3, 25. शताबद्धः in Folge einer
Schuld von Hundert Schol. zu 24. — 2) verbinden, zusammenfügen:
(कृत्वा) बद्धैः (कृत्वाबद्धैः Tr. und BENFV) शिलाबन्धैः सेतुबन्धमपाठयन्
RĀGA-TAR. 3, 92. अणवो (die Atome) बद्धाः LĪNGA-P. bei MUIR, ST. 4, 326.
1. वृकाः पञ्चबद्धाश्च शतबद्धास्तथापरं zu fünf —, zu hundert verbunden
HARIV. 3807. राजानः श्रेणिबद्धाः MBH. 2, 568. कृपाबद्धकदम्बकं मृगकुल-
म् Gruppen bildend ÇĀK. 39. देहबद्ध mit einem Körper verbunden RAGH.
11, 35. KUMĀRAS. 2, 47. 3, 30. कर्माणि शोलेन बद्धानि Verz. d. Oxf. H. 36.
a, N. 1. सुखबद्धमसंबद्धं तथा लोप्य प्रभाषते so v. a. angenehm, lieblich zu
hören R. 2, 96, 14 (103, 13 GORR.). धनुर्मध्ये बद्धा मुष्टिम् so v. a. den Bo-
gen in der Mitte fassend 1, 28, 5. एष मुष्टिर्मया बद्धः so v. a. geballt 4,
13, 21. AK. 2, 6, 37. सुबद्धेन मुष्टिना HARIV. 3779; vgl. बद्धमुष्टि. अञ्जलिं

बन्ध् die hohlen Hände zusammenlegen: सा मूर्ध्नि बद्धा रुदती राज्ञः प-
द्ममिवाञ्जलिम् R. 2, 62, 11. 4, 6, 12. 9, 6. RAGH. 16, 5. बध्यतामयमभययाच-
नाञ्जलिः 11, 78. KATHAS. 80, 143. DHĪRTAS. 80, 4. बद्धाञ्जलि MĀKĀH. 174,
11. DAÇAK. in BENF. Chr. 183, 11. शिरसि यैर्बद्धो न सेवाञ्जलिः Spr. 2989.
बद्धाञ्जलिपुट R. 1, 68, 3. 6, 37, 73. 101, 26. आसनं पद्मकं बद्धा die Füße
beim Sitzen zu der Padma-ka genannten Stellung zusammenlegen Ind.
St. 2, 47, N. 2. किमगिरिशिलाबद्धपद्मासन Spr. 808. VET. in LA. 13, 7.
बद्धा योगासनानि BHATT. 7, 77. ध्रुक्किं बन्ध् die Brauen furchen (hätte
auch u. 6. gestellt werden können) MBH. 7, 762. R. 2, 23, 2. 3, 54, 1. 6,
82, 180. 100, 11. KĀVJĀD. 2, 326. सूरतबद्धाङ्गुलिः zum Beischlaf zurechtge-
legt HARIV. 8313. काञ्चनी वासपाश्चिर्मूले बद्धा मणिभिः mit Edelsteinen
eingelegt MEGH. 77. मरकतशिलाबद्धसोपान 74. लोहबद्धा गुदाः mit Eisen
beschlagen MBH. 7, 8141. कृस्तीव ग्राम्बूनद्वद्धशृङ्ग mit Gold belegt R. 5,
11, 7. रतिवद्ध in Messing gefasst KATHAS. 24, 178. 184. सेतुं बन्ध् einen
Damm —, eine Brücke bauen BHAG. P. 9, 10, 15. RĀGA-TAR. 3, 103. सेतुं
बध्नामि गङ्गायाम् KATHAS. 40, 18. सेतुं बन्धितुमिच्छति R. 2, 18, 23. सेतुव-
द्धश्च सागरे 6, 81, 18. बद्धद्विरदसेतुभिः aus Elephanten gebildete Brücken
RAGH. 4, 38. बन्धुर्बन्धनीयान् (sc. देशान्) dämmten R. 2, 80, 10. बन्धिये
सेतुना गङ्गाम् so v. a. ich werde überbrücken MBH. 3, 10727. नायं शक्य-
स्तथा बद्धं (sic) मरुतोयः 10728. सागरं सुमरुद्बद्धा R. 6, 34, 14. पाषाणसे-
तुबन्धेन — अभवद्बद्धा निखिला नीलजासांरित् abgedämmt RĀGA-TAR. 3, 91.
केशराखण्डं बधान so v. a. verstopfen MBH. 1, 685. fig. festmachen, ver-
schliessen, schliessen: अबध्नन्नगलेन बद्धिश्च ताम् (मञ्जुषाम्) KATHAS. 4, 56.
पर्णाकुटीद्वारं बन्धन् Z. d. d. m. G. 14, 873, 20. दिवाकरादर्शनबद्धकोशि
ऽरविन्दे RAGH. 6, 66. बद्धाम्बुचरमार्गं versperrt Spr. 1938. मर्यादा बध्य-
तां स्थिरा eine Schranke errichten R. 4, 4, 13. जलनिधेर्वला बद्धा नृपः स-
गरः ein Ufer errichten Spr. 776. गोलं बद्धा zusammenfügen, construieren
SĀRJA. 8, 12. Verse binden, — zusammenfügen, abfassen, componiren:
पादबद्धः श्लोकः R. 1, 2, 21. श्लोक एव त्रया बद्धः 33. रामकथा श्लोकबद्धा
38. (काव्यम्) ज्ञातिभिः सप्तभिर्बद्धम् 4, 6. पूर्वैर्बद्धं कथावस्तु मयि भूया नि-
बध्नति RĀGA-TAR. 1, 8. दृष्टे दृष्टे नृपादत्तं बद्धा 9. बद्धा द्वादशभिर्न्यसक्तैः
पार्थिवावलिः 17. बद्धं च यदपिउना Verz. d. Oxf. H. 167, a, 36. 211, a, 45.
अबद्ध unzusammenhängend, sinnlos; n. unzusammenhängendes Ge-
schwätz AK. 1, 1, 5, 21. H. 267. बद्धबद्धं प्रभाषते HARIV. 13824. बद्धबद्ध-
प्रलापिन् N. 26, 16. वाग्विसर्ग — अबद्धवति (= अपशब्दादियुक्ते Schol.)
aus schlecht gefügten Worten bestehend BHAG. P. 1, 5, 11. — 3) festhal-
ten, zurückhalten: बन्धन् राज्ञो कृत्स्नम् (auf übernatürliche Weise) KA-
THAS. 49, 28. बद्धः प्रियः Spr. 2633. बद्धा वा वाससा am Kleide JĀG. 3,
292. hemmen, unterdrücken: बद्धधाराप्रवाहेन — अश्रुणा SOM. NALA 164.
बद्धवाच् adj. BHAG. P. 1, 13, 43. बद्ध stockend im Gegens. zu द्रव fließend
SUÇR. 2, 443, 18. वनराजिषु — बद्धपङ्कवतीषु so v. a. trocken gelegt HARIV.
3841. — 4) heften, richten das Auge, das Ohr, die Sinne auf Etwas (loc.):
पुंस्काकिलनिनादेषु पट्टदाचरितेषु च। बद्धश्रोत्रमनश्चतुः MBH. 3, 11085.
fig. मुञ्जरुपतति स्पन्देन बद्धदृष्टिः ÇĀK. 7. बध्नति च योदेषु दृशः KĀVJĀD.
2, 103. बद्धनेत्रा MBH. 13, 436. तथाविधं मनो बन्धन् RAGH. 3, 4. भवत्यो
बद्धचित्तः MBH. 13, 984. मतिं बधान सुयवि BHATT. 20, 22. — 5) im Ge-
folge haben, zur Folge haben, bewirken, hervorrufen: बध्नन्नेषु रोमाञ्चम्
— प्रियास्पर्शः KĀVJĀD. 2, 11. बध्नात्पार्यपरोवाद् खलसंवादशृङ्गला KATHAS.